सत्यमेव जयते

झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

16 भाद्र , 1943 (श०)

संख्या-459 राँची, मंगलवार, 7 सितम्बर, 2021 (ई०)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग।

संकल्प

2 सितम्बर, 2021

कृपया पढ़े :-

1. कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग का ज्ञापन संख्या-5018 (अनु०), दिनांक 06.07.2018
2. कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग का संकल्प संख्या- 5736 दिनांक 31.07.2018

संख्या-1/आ0-543/2016 का.- 4413--श्री मस्त राम मीना, भा.प्र.से. (झाः1996), सम्प्रति स्थानिक आयुक्त, झारखण्ड भवन, नई दिल्ली के विरूद्ध विभागीय ज्ञापन संख्या-5018 (अनु०), दिनांक 06.07.2018 के द्वारा उपायुक्त, देवघर के रूप में पदस्थापन अवधि में निम्नलिखित अनियमितता के आरोप पर आर्टिकल्स ऑफ चार्जेज, इम्प्यूटेशन ऑफ मिसकंडक्ट एवं मिसविहैवियर तथा साक्ष्यों की तालिका निर्गत की गयी, जो निम्न प्रकार है :-

That, Shri Mast Ram Meena was the Dy. Commissioner of Deoghar between 21.06.2008 to 19.08.2011.

That, Shri Mast Ram Meena, the then DC, Deoghar was aware about alleged illegal sale/purchase of land plots by Shri Dhrub Narayan Parihast and others since 2008. He himself was aware that a FIR was to be registered against Shri Dhrub Narayan Parihast.

That, Shri Mast Ram Meena, vide letter dated. 18.08.2011 addressed to Incharge, Dist. Record Room, Deoghar (Shri Mithilesh Kumar Jha), directed to keep the documents (kept in a locked and sealed steel box) in the Dist. Record Room, Deoghar for safe custody which were related to the enquiries conducted on alleged illegal transfer/ purchase & sale of land plots in around Deoghar. Accordingly, the said box was kept in the Dist. Record Room, Deoghar. The said records were stolen from the District Record Room, Deoghar allegedly on 29/30.08.2011.

That, Shri Mast Ram Meena was aware about untoward incidences (in 2011) of breaking of glass of a window and also about tampering of some records of the Dist. Record Room Deoghar by some person having vested interest and about incidence of tearing of revenue records of Dist. Record Room, Deoghar by Shri Sunil Poddar, son of Shri Jyotindra Poddar (peon) during his tenure as DC, Deoghar. Moreover, there was no security arrangement for the security of Dist. Record Room at that time. In spite of above, Shri Mast Ram Meena ordered for keeping the said 'very important' and 'confidential' documents related to said enquiries, wherein he himself had recommended for investigation by Vigilance or any other competent agency, in the Dist. Record Room and not in the Confidential Section or in the nearby Strong Room /Treasury of Deoghar having round the clock security arrangements.

Thus, by the above acts, Shri Mast Ram Meena committed gross negligence and failed to maintain absolute integrity and devotion to duty and contravened Rule and committed misconduct under Clause-3 (1 & 2) of The All India Services (Conduct) Rules, 1968.

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या- 5736 दिनांक 31.07.2018 के द्वारा श्री मस्त राम मीना, भा.प्र.से. (झाः1996) के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही के संचालन हेतु श्री सुखदेव सिंह, भा.प्र.से., तत्कालीन अपर मुख्य सचिव, योजना-सह-वित्त विभाग, झारखण्ड को संचालन पदाधिकारी तथा श्री अंजनी कुमार दूबे, झा.प्र.से., तत्कालीन अपर समाहर्ता, देवघर को उपस्थापन पदाधिकारी नियुक्त किया गया ।

विभागीय कार्यवाही के संचालन के उपरान्त संचालन पदाधिकारी द्वारा जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया जिसमें अंकित है कि "I reach the conclusion that none of the charges levelled against the Officer has been proved".

अतः संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन की सम्यक् समीक्षा के उपरान्त राज्य सरकार द्वारा श्री मस्त राम मीना, भा.प्र.से. को उनके विरूद्ध गठित आरोपों से मुक्त करते हुए उनके विरूद्ध चलायी गयी विभागीय कार्यवाही को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

चन्द्र भूषण प्रसाद,
सरकार के उप सचिव ।

झारखण्ड राजकीय मुद्रणालय, राँची द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
झारखण्ड गजट (असाधारण) 459 -- 50